मुंग की तुडाई के दौरान रखने वाली सावधानियॉ

आज दिनांक 25/05/2021 को आई सी ए आर - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन रिसर्च इंदौर द्वारा आयोजित वेबिनारो की श्रंखला में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान द्वारा डी बी टी फंडेड परियोजना एक्सपेंशन ऑफ एक्टिविटीज ऑफ बायोटेक किसान हब इन सेवन एस्परेशनल डिस्ट्रिक्ट इन मध्य प्रदेश के अंतर्गत जायद के मौसम के आखिर में मुंग की तुडाई के दौरान रखने वाली सावधानियॉ के बारे मे किसानो को अवगत करने के लिए आनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में खंडवा, बड़वानी, उज्जैन विदिशा, गुना, राजगढ, दमोह, छतरपुर और सीहोर के प्रगतिशील किसान समलित हुए ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने स्वागत भाषण में संस्थान की निदेशक एवं परियोजना प्रमुख डॉ नीता खांडेकर ने मुंग फसल के बारे में जानकारी दी और आगे आने वाली फसल सोयाबीन के बारे में भी बतलाया गया ।

परियोजना में कार्यरत भवानी सिह राठौड़ ने बताया की किसान भाई मुंग की तुडाई कब और फसल की किस स्थिति मे करे। उन्होने बताया की जब 85% फलियॉ पुरी तरह से परिपक्व हो जाये तब ही मुंग की तुडाई करे, खराब मौसम मे मुंग की कटाई नही

करे, मुंग की कटाई से पहले अवांछित खरपतवारो को खेत से हटा दे और फलियो के चिटकने से पहले तुडाई कर ले । इन्ही सावधानियो को ध्यान मे रखते हुए आई सी ए आर - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयाबीन रिसर्च इंदौर द्वारा वेबिनार के माध्यम से मुंग के विशेषज्ञों द्वारा किसानो को मुंग की तुडाई के दौरान होने वाली समस्याओ से अवगत कराया गया और उन समस्याओ का समाधान भी बतलाया गया ।